



वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, बारह राशियों (Rashis) को तीन मूलभूत कार्यप्रणालियों में वर्गीकृत किया गया है, जिन्हें गुण या प्रवृत्तियां (modalities) कहा जाता है: **चर (Chara/Movable)**, **स्थिर (Sthira/Fixed)** और **द्विस्वभाव (Dwiswabhava/Dual)**।

जबकि चार तत्व (अग्नि, पृथ्वी, वायु, जल) आपकी ऊर्जा की प्रकृति का वर्णन करते हैं, ये तीन प्रवृत्तियां उस गति और शैली को दर्शाती हैं जिसके साथ आप उस ऊर्जा को अभिव्यक्त करते हैं।

1. चर राशियां (Chara Rashis) — पहल करने वाली ऊर्जा (Cardinal Energy)

चर राशियां राशि चक्र की सूत्रधार (initiators) होती हैं। वे गतिशीलता, त्वरित क्रिया, गतिशील शक्ति और नई शुरुआत की चिंगारी का प्रतिनिधित्व करती हैं।

4 चर राशियां

मेष (Mesha) — राशि 1 (अग्नि)

कर्क (Karka) — राशि 4 (जल)

तुला (Tula) — राशि 7 (वायु)

मकर (Makara) — राशि 10 (पृथ्वी)

मूल लक्षण और व्यवहार शैली

- पहल और गति (Initiative & Momentum):** चर राशियों को ठहराव बिल्कुल पसंद नहीं होता। वे स्वाभाविक रूप से नेतृत्व करने, नए उद्यम शुरू करने और बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ती हैं।
- कर्म के प्रति अनुकूलनशीलता (Adaptability to Action):** बाधाएं आने पर वे तुरंत अपनी दिशा बदलने में सक्षम होती हैं और इंतजार करने के बजाय सक्रिय रूप से नया मार्ग चुनती हैं।
- यात्रा और स्थानांतरण (Travel & Relocation):** कुंडली विश्लेषण में, चर राशियों में ग्रहों की मजबूत स्थिति अक्सर बार-बार यात्रा, स्थानांतरण या निरंतर आवागमन से जुड़े करियर का संकेत देती है।
- संभावित नकारात्मक पक्ष:** अधीरता, शुरुआत का उत्साह समाप्त होने के बाद नियमित कार्यों को बनाए रखने में कठिनाई, और बेचैनी।

2. स्थिर राशियां (Sthira Rashis) — स्थिर ऊर्जा (Fixed Energy)

स्थिर राशियां राशि चक्र की संरक्षक और निर्माता होती हैं। वे स्थिरता, सहनशक्ति, एकाग्रता और अटूट दृढ़ संकल्प का प्रतिनिधित्व करती हैं।

4 स्थिर राशियां

वृषभ (Vrishabha) — राशि 2 (पृथ्वी)

सिंह (Simha) — राशि 5 (अग्नि)

वृश्चिक (Vrishchika) — राशि 8 (जल)

कुंभ (Kumbha) — राशि 11 (वायु)

मूल लक्षण और व्यवहार शैली

• **एकाग्रता और दीर्घायु (Focus & Longevity):** स्थिर राशियां किसी मौजूदा विचार को आगे बढ़ाने और उसे एक स्थायी, दीर्घकालिक रूप देने में उत्कृष्ट होती हैं।

• **दृढ़ संकल्प और निष्ठा (Determination & Loyalty):** एक बार जब वे किसी लक्ष्य, रिश्ते या करियर के प्रति समर्पित हो जाती हैं, तो वे अद्भुत सहनशक्ति और इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करती हैं।

• **स्थायित्व (Rootedness):** फलित ज्योतिष में, प्रमुख स्थिर राशियां घरेलू स्थिरता, दीर्घकालिक संपत्ति संचय और लंबे समय तक एक ही स्थान पर टिके रहने का संकेत देती हैं।

• **संभावित नकारात्मक पक्ष:** आवश्यक बदलावों का विरोध करना, हठ, पुरानी बातों को दिल से लगाए रखना और आदतवश किसी गतिहीन परिस्थिति में बहुत लंबे समय तक बने रहना।

3. द्विस्वभाव राशियां (Dwiswabhaba Rashis) — परिवर्तनशील ऊर्जा (Mutable Energy)

द्विस्वभाव राशियां राशि चक्र की अनुकूलनकर्ता और संतुलन बनाने वाली होती हैं। चर राशियों की पहल करने की प्रेरणा और स्थिर राशियों के स्थायित्व को मिलाकर, वे लचीलेपन, संक्रमण और बौद्धिक समन्वय का प्रतिनिधित्व करती हैं।

4 द्विस्वभाव राशियां

मिथुन (Mithuna) — राशि 3 (वायु)

कन्या (Kanya) — राशि 6 (पृथ्वी)

धनु (Dhanu) — राशि 9 (अग्नि)

मीन (Meena) — राशि 12 (जल)

मूल लक्षण और व्यवहार शैली

• **लचीलापन और बहुमुखी प्रतिभा (Flexibility & Versatility):** द्विस्वभाव राशियां किसी भी बात के दोनों पहलुओं को समझती हैं। वे स्वाभाविक समस्या-समाधानकर्ता होती हैं जो बदलती परिस्थितियों में आसानी से ढल जाती हैं।

• **बौद्धिक और विश्लेषणात्मक गहराई (Intellectual & Analytical Depth):** लगातार विकल्पों का मूल्यांकन करने के कारण, द्विस्वभाव राशियां अनुसंधान, शिक्षण, लेखन, व्यापार और दार्शनिक चिंतन में उत्कृष्टता प्राप्त करती हैं।

• **संक्रमणकालीन मार्गदर्शक (Transition Leaders):** वे बदलाव के दौर में सबसे बेहतर काम करती हैं और पुरानी प्रणालियों तथा नई पहलों के बीच सहज संक्रमण का मार्गदर्शन करती हैं।

• **संभावित नकारात्मक पक्ष:** अत्यधिक सोचना, अनिर्णय की स्थिति, किसी एक रास्ते को चुनने में कठिनाई और मानसिक ऊर्जा का बिखरना।

ये प्रवृत्तियां आपकी कुंडली को कैसे आकार देती हैं

एक ज्योतिषी आपकी जन्म कुंडली (Kundli) में इन प्रवृत्तियों के संतुलन का मूल्यांकन यह विश्लेषण करके करता है कि आपका लग्न (Lagna), चंद्रमा और सूर्य कहाँ स्थित हैं:

• **प्रमुख चर (Chara):** ऐसा व्यक्ति अग्रणी, उद्यमी या यात्री बनता है जो निरंतर चुनौतियों और नए आविष्कारों के बीच फलता-फूलता है।

• **प्रमुख स्थिर (Sthira):** ऐसा व्यक्ति स्थिरता का मजबूत आधार, प्रशासक या विशेषज्ञ बनता है जो गहन एकाग्रता और दीर्घकालिक सुरक्षा के साथ आगे बढ़ता है।

• **प्रमुख द्विस्वभाव (Dwiswabhava):** ऐसा व्यक्ति विद्वान, रणनीतिकार या कुशल वक्ता बनता है जो विविधता, निरंतर सीखने और वैचारिक लचीलेपन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है।

<https://astroarpitanath.com/hindi/movable-fixed-and-dual-signs/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।